Date:
Page:

Section-3

Q.1)
Ans.(i) अपशिष्ट प्रबंधन :- अपशिष्ट प्रबंधन एक कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का मुख्य उद्देश्य कूड़े-करकट से अधिकतम मात्रा में उपयोगी संसाधन प्राप्त करना है और ऊर्जा का उत्पादन करना है ताकि कम से कम मात्रा में अपशिष्ट पदार्थों को लैंडफिल क्षेत्र में फेंकना पड़े। इसका कारण यह है लैंडफिल में फेंके जाने वाले कूड़े का भारी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, एक तो इसके लिए काफी जमीन की आवश्यकता होती है जो लगातार कम होती जा रही है और दूसरा कूड़ा वायु, मिट्टी और जल-प्रदूषण का सम्भावित कारण भी है। अपशिष्ट पदार्थ पैदा करने वालों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे कूड़े की छंटाई करें जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की मूल आवश्यकता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन भारत में बहुत बड़ी समस्या का रूप ले चुका है क्योंकि शहरीकरण औद्योगीकरण और आर्थिक विकास के परिणाम स्वरूप शहरी कूड़े-करकट की मात्रा बहुत बढ़ गई। अर्थात् अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य है कि कूड़े करकट का प्रयोग करके जरूरी सामान व चीजें बनाई जा सकें। ताकि Waste material का सही प्रयोग भी हो जाए तथा प्रदूषण की भी समस्या न रहे।

Scanned with CamScanner

Date:
Page:

(3) कार्बनिक कृषि :- ऐसी खेती जिसमें हम मानव निर्मित रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का प्रयोग न करके जीवाणुयुक्त खादों का प्रयोग किया जाता है। जिसमे जानवरों का मल व कई प्रकार के कीटों का प्रयोग किया जाता है। सर्वप्रथम भारत में कार्बनिक कृषि का ही प्रयोग किया जाता था। परन्तु बढ़ते विकास के कारण अब मानव निर्मित कीटनाशकों का उपयोग बढ़ गया है। परन्तु वे हमारे शरीर के लिए हानिकारक भी है। अर्थात् कार्बनिक कृषि बहुत उत्तम प्रकार की कृषि है। इसमें खर्चा भी कम आता है तथा यह शरीर के लिए भी पौष्टिक आहार प्रदान करती है।
कार्बनिक कृषि करने से भूमि की उपजाऊ क्षमता भी बढ़ती है तथा सिंचाई अन्तराल मे भी वृद्धि होती है। फसलो की उत्पादकता भी बढ़ती है। तथा भूमि के जलस्तर मे भी वृद्धि होती है। जैविक खेती की विधि रासायनिक खेती की तुलना मे बराबर या अधिक उत्पादन देती है।

(4) ओजोन पर्त क्षय :- ओजोन पर्त एक ऐसी पर्त है जो ऑक्सीजन के 3 Atom से मिलकर बनी है तथा यह हमारे वायुमण्डल मे सबसे ऊपर स्थित रहती है।

Scanned with CamScanner

Date:
Page:

यह परत हमारी सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणो से हमारी सुरक्षा करती है। अर्थात अगर ओजोन परत न हो तो सूर्य की किरणे सीधा हमारे ऊपर आए तथा लोगो मे इससे महामारी फैलने का खतरा रहेगा। ओजोन इन्ही पराबैंगनी किरणो से हमारी रक्षा करती है परन्तु हम पृथ्वी पर रहकर तथा प्रदूषण फैलाकर ओजोन परत को हानि पहुँचाते है। अर्थात ओजोन को हानि सिर्फ प्रदूषण से होती है हम जब निरन्तर वायु को प्रदूषित करते रहेंगे तो ओजोन परत मे उपस्थित ऑक्सीजन के कण भी प्रदूषित होने से ओजोन की परत घटने लगेगी जिससे उसका आकार घटने लगेगा। इसलिए हमें कम से कम प्रदूषण फैलाना चाहिए।

(6) (COVID-19: मानव जनित वैश्विक महामारी):

यह महामारी अत्यधिक खतरनाक है। यह महामारी सर्वप्रथम चीन देश मे उत्पन्न हुई। ऐसा माना जाता है कि चीन ने सभी देशो को आर्थिक नुकसान पहुँचाने के लिए इस महामारी को फैलाया है। और ऐसा भी माना जाता है कि यह महामारी चीन के एक जैविक लैब से निकली है। यह महामारी बहुत ही खतरनाक है।

Scanned with CamScanner

इसमे एक कोरोना नामक वायरस है जो मनुष्य के रोग प्रतिरोधकता शक्ति को कमजोर करता है। COVID-19 कोरोना का एक वायरस है। कोरोना family के और भी वायरस है। परन्तु यह वायरस अभी तक सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हुआ है। यह वायरस खासने में छींकने से भी फैल सकता है तथा जमीन पर व किसी संक्रमित व्यक्ति द्वारा Touch की गई किसी वस्तु को Touch करने से भी आपको संक्रमित कर सकता है। यह वायरल एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुँच सकता है। अगर कोई संक्रमित व्यक्ति व स्वस्थ व्यक्ति आपस में संपर्क में आए तो। वह स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में केवल Touch करने से प्रवेश कर लेगा। तथा आपको पता भी नहीं चलेगा के आपके अन्दर वायरल ने प्रवेश कर लिया है तथा 10 से 14 दिन तक आपके शरीर में रहेगा को धीरे-धीरे आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देगा। तथा आपको बीमार कर देगा। यह वायरल शरीर में उत्पन्न सेल्स को नष्ट कर देता है तथा शरीर में पहुँचकर अपने जैसे कई वायरसों को उत्पन्न कर लेता है जिनकी गिनती लाखों व करोड़ों में हो सकती है। अतः अगर हमें इससे बचना है तो face पर mask लगाना होगा तथा अनावश्यक बाहर घूमने नहीं जाना होगा तथा लोगों से कम से कम 2 गज की दूरी बनाकर रखनी होगी। तथा हाथों को निरन्तर Sanatizer या साबुन से धोना होगा।

Scanned with CamScanner